

हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार 27 सितंबर 2026

खबर संक्षेप

मेरी फसल मेरा ब्योरा  
पोर्टल पर पंजीकरण का  
आज अंतिम दिन

**झज्जर।** राज्य सरकार द्वारा खरीफ फसलों के लिए मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर फसल पंजीकरण से वंचित रह गए किसानों को एक और अवसर प्रदान किया है। डीसी वर्षा खंगवाल ने बताया कि जिन किसानों ने अभी तक अपनी खरीफ फसलों का पंजीकरण नहीं कराया है, वे रविवार तक पोर्टल पर अपनी कृषि भूमि एवं फसल विवरण दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर पंजीकरण से छूटे हुए किसान संबंधित एसडीएम कार्यालय में जाकर भी अपनी कृषि भूमि व फसल से संबंधित जानकारी दर्ज करवा सकते हैं।

सभी मतदान केंद्रों पर  
आज रहेंगे बीएलओ

**झज्जर।** डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खंगवाल ने बताया कि रविवार को भी जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह नौ से शाम पांच बजे तक बीएलओ मौजूद रहेंगे। इस दौरान नागरिक मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने बताया कि पात्र व्यक्ति का नाम सूची में नहीं होने पर फॉर्म-6, नाम-पता या अन्य विवरण में संशोधन के लिए फॉर्म-8 तथा अपात्र, मृत या स्थानांतरित मतदाता का नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर तक प्रस्तुत की जा सकती हैं।

महिला आयोग की  
सदस्य कल झज्जर में

**झज्जर।** हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य भारती सैनी सोमवार को झज्जर का दौरा करेंगी। इस दौरान वे विभिन्न सरकारी संस्थानों का दौरा एवं निरीक्षण करने के साथ संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारती सैनी सुबह नौ बजे पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा करेंगी। इसके बाद सुबह 10 बजे डीसी और सुबह 11 बजे डीसीपी हेडक्वार्टर के साथ बैठक करेंगी। इसके उपरांत आयोग की सदस्य दोपहर 12 बजे वे नागरिक अस्पताल, दोपहर डेढ़ बजे महिला थाना, ढाई बजे वन स्टॉप सेंटर तथा साढ़े तीन बजे जिला कारागार का दौरा करेंगी।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए  
प्रतिबंधात्मक आदेश लागू

**झज्जर।** जिलाधीश वर्षा खंगवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आयोजित की जाने वाली बोर्ड परीक्षाओं को शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न करवाने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में स्थित फोटोस्टेड दुकानों व साइबर कैफे के संचालन पर भी प्रतिबंध रहेगा। प्रतिबंध 1 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक दोपहर 1 से साढ़े पांच बजे तक प्रभावी रहेंगे।

स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं का एडमिशन पोर्टल फिर खुला

राजकीय नेहरू कॉलेज में स्नातक की 523 सीटें खाली, 6 अक्टूबर तक ले सकते हैं दाखिला

■ बीए की 124, बीबीए की 21, बीकॉम की 64 सीटें खाली

हरिभूमि न्यूज ▶ झज्जर

उच्चतर शिक्षा विभाग ने विभिन्न कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में दाखिले का एडमिशन पोर्टल दोबारा खोल दिया है। साथ ही द्वितीय और तृतीय वर्ष के पुराने विद्यार्थियों के दाखिलों के

जापान में हो रहे एशियन गेम्स में भारतीय कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड, ईरान को हराने में झज्जर का लाल भी चमका  
बुपनियां की मिट्टी से एशियन गेम्स के स्वर्ण तक पहुंचा कबड्डी स्टार अयान

मां-दादी बोलीं-लाडला घर आएगा तो अपने हाथों से खिलाएंगे देसी घी का चूरमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बुपनियां की जिस मिट्टी में कभी अयान लोहचब ने कबड्डी के दांव-पेच सीखे और बड़े खिलाड़ी बनने

का सपना देखा, उसी मिट्टी का नाम आज एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के साथ रोशन हो गया। पुरुष कबड्डी के फाइनल में भारतीय टीम ने ईरान को शिकस्त देकर गोल्ड मेडल जीता तो अयान के गांव में खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिवार की आंखों में बेटे की कामयाबी की चमक थी तो ग्रामीणों के चेहरे गर्व से खिल उठे। घर से लेकर चौपाल तक बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। अब पूरे गांव को अपने लाडले के लौटने का इंतजार है। परिजनों के अनुसार,

अयान 30 सितंबर को गांव पहुंचेगा। मां सोनिया और दादी खजानी ने कहा कि देश के लिए सोना जीतकर लौटने वाले लाडले को अपने हाथों से देसी घी का चूरमा खिलाएंगी। वहीं, गांव में उसकी जीत की खुशी में देसी घी का भंडारा लगाने की तैयारी भी की जा रही है। फाइनल मुकाबला समाप्त होने के बाद अयान के पिता संदीप, मां सोनिया, चाचा राजीव, चाची पूजा और भाई-बहनों ने वीडियो कॉल के जरिए उससे बातचीत की। अयान ने परिवार के



बहादुरगढ़। जीत की खुशी में अयान के परिजन मिठाई खिलाते हुए।

साथ अपनी खुशी साझा की व सफलता का श्रेय माता-पिता, परिजनों व ग्रामीणों के सहयोग,

प्रोत्साहन और आशीर्वाद को दिया। परिवार को अब उससे मिलने का बेसब्री से इंतजार है।

विधायक व चेयरपर्सन की लड़ाई में अब भाजपाई पार्षदों ने भी मोर्चा खोला  
विधायक के समर्थन में उतरे भाजपा के 9 पार्षद  
चेयरपर्सन राठी पर लगाए अनदेखी के आरोप

- विरोधियों का दावा- चेयरपर्सन के विरोध में भाजपा के 10 पार्षद
- आरोप-चेयरपर्सन कांग्रेसी पार्षदों को देती हैं ज्यादा तवज्जो, हमारे कामों में लगाया जा रहा अड़ंगा, हाईकमान को करेंगे शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नगर में विकास कार्यों को लेकर विधायक राजेश जुन और नगर परिषद चेयरपर्सन के बीच चल रहे विवाद में अब भाजपा से जुड़े पार्षदों ने भी एंट्री ले ली है। भाजपाई पार्षदों ने अपनी अनदेखी करने तथा कांग्रेसी पार्षदों को प्राथमिकता देने के आरोप लगाए। भाजपा के चुनाव चिह्न पर जीतने वाले पार्षदों ने चेयरपर्सन पर ही विकास कार्यों में अड़ंगा डालने, एफएनसीसी की बैठकों का बहिष्कार करने और स्वीकृत कार्यों को आगे नहीं बढ़ने देने के आरोप



बहादुरगढ़। चेयरपर्सन पर आरोप लगाते भाजपा से संबद्ध पार्षद।

लगाए हैं। उनके अनुसार शहर में विकास कार्य प्रभावित होने से सरकार की बदनामी हो रही है। पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा, अशोक शर्मा, राजेश मकड़ौली, हरिमोहन धाकरे, प्रवीण छिल्लर, अश्विनी शर्मा, अनिल सिंघल, पवन रोहिल्ला और परमजीत धनखड़ आदि ने चेयरपर्सन सरोज राठी के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। सत्यप्रकाश छिकारा ने आरोप लगाया कि चेयरपर्सन को तीन विकास कार्यों से संबंधित नोटिंग दी गई थी, लेकिन उसे करीब 15 दिन अपने घर पर रखने के बाद वापस

लौटा दिया। एक तरफ समान विकास के दावे किए जा रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ जरूरी कार्यों की फाइलें आगे नहीं बढ़ाई जा रही हैं। छिकारा ने कहा कि वे नगर परिषद में भाजपा के सिंबल पर चुने गए पार्षद हैं। वहीं, विधायक ने मुख्यमंत्री से बजट व विकास कार्यों के लिए राशि मंजूर करवाई है। उन्होंने कहा कि बेशक नगर परिषद के दस्तावेजों पर विधायक के हस्ताक्षर नहीं होते, इसी तरह मुख्यमंत्री के भी कई जगह हस्ताक्षर नहीं होते, लेकिन सभी काम सीएम ही करवाते हैं। उन्होंने बताया कि

चेयरपर्सन श्रेय लेने की कर रही राजनीति : धाकरे  
हरिमोहन धाकरे ने कहा कि चेयरपर्सन और दिनेश कौशिक कांग्रेस के पार्षदों को साथ लेकर घूम रहे हैं, जबकि भाजपा के अपने पार्षदों को ही पराया कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विधायक द्वारा बजट पास करवाने और मुख्यमंत्री से विकास कार्यों के लिए ग्रांट लेकर आने के बाद चेयरपर्सन का रुख बदल गया। विकास कार्य नगर परिषद के माध्यम से लेने के कारण चेयरपर्सन की ओर से उसका श्रेय लेने की कोशिश की जा रही है। अशोक शर्मा ने कहा कि विकास कार्यों में बाधा विधायक नहीं बरिक्त चेयरपर्सन की ओर से डाली जा रही है। उन्होंने कहा कि 15 में से तीन पार्षद कांग्रेस के साथ चले गए हैं। उनके अनुसार चेयरपर्सन कभी ग्रांट के लिए पार्षदों को साथ लेकर नहीं गई, जबकि अब विधायक मुख्यमंत्री से ग्रांट लेकर आए हैं तो उसका श्रेय लेने की कोशिश की जा रही है।

इस पूरे मामले से भाजपा जिलाध्यक्ष, प्रदेशाध्यक्ष और मुख्यमंत्री को अवगत कराया है। पार्षद राजेश मकड़ौली ने कहा कि विधायक ने पार्षदों के विकास कार्यों के एस्टीमेट तैयार करवाए, लेकिन चेयरपर्सन की ओर से तीन एफएनसीसी बैठकों का बहिष्कार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास कार्यों में अड़ंगा डालने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्दलीय विधायक के साथ भाजपा के करीब 10 पार्षद हैं, जबकि चेयरपर्सन के साथ भाजपा के केवल दो पार्षद बचे हैं और

कांग्रेस के पार्षद उनके साथ हैं। मकड़ौली ने आरोप लगाया कि सुभाष नगर की गलियों के कार्य का टेंडर नहीं होने दिया गया और विकास नगर के कार्य भी रुकवाए गए। इससे पार्टी और सरकार को राजनीतिक नुकसान हो रहा है। पार्टी में गलत तरीके का काम करने वालों को बदरिश नहीं किया जाना चाहिए। पार्षदों ने कहा कि वे पूरे मामले को भाजपा संगठन के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष रखेंगे और शहर के विकास कार्यों को राजनीतिक विवाद से बाहर रखते हुए जल्द पूरा करवाने की मांग करेंगे।

दिनभर तलाश के बाद भी नहर में नहीं मिला शिव

■ विसर्जन के दौरान तीन युवक डूबे थे, दो के शव शुक्रवार को मिल गए थे, एक की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गणपति प्रतिमा विसर्जन के दौरान एनसीआर माइनर में डूबे तीन युवकों में से तीसरे युवक की तलाश के लिए अभियान शनिवार को भी जारी रहा। शुक्रवार रात से गोताखोर माइनर में शिवकांत को ढूंड रहे हैं लेकिन शनिवार शाम तक भी उसका कुछ पता नहीं चला।

दरअसल, शुक्रवार शाम को रोहद में रहने वाले कुछ प्रवासी गणपति की मूर्ति विसर्जन के लिए एनसीआर माइनर पर आए थे। पांच युवक माइनर में मूर्ति लेकर उतरे। इस दौरान एक युवक तुरंत बाहर आ गया। बाकी चार मूर्ति को विसर्जित करते हुए डूबने लगे। एक युवक को तो निकाल लिया गया लेकिन अजय, नितीश व शिवकांत गहराई में चले गए। पुलिस और



बहादुरगढ़। युवक की तलाश में जुटे गोताखोर।

फोटो : हरिभूमि

एसडीआरएफ की टीमों ने कड़ी मशक्कत के चलते कुछ घंटे बाद अजय व नितीश के शव पानी से बरामद किए लेकिन शिवकांत नहीं मिला। इसके बाद शनिवार की सुबह टीम ने फिर अभियान चलाया। गोताखोर लगातार डुबकी लगाते रहे। दोपहर को बोटिंग टीम भी बुलाई गई। दिनभर सर्च अभियान जारी रहा लेकिन शिवकांत नहीं मिला।

इसी बीच इंटरनेट पर एक वीडियो भी वायरल हुआ है। वीडियो

में मूर्ति विसर्जन से लेकर युवकों के डूबने तक का पूरा खौफनाक मंजर नजर आ रहा है। वीडियो को देखने के बाद लोगों की तरह तरह की प्रक्रिया नजर आ रही है। कोई घटना के लिए युवकों को ही जिम्मेदार ठहरा रहा है तो किसी का कहना है कि माइनर की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन को चौकसी बरतनी चाहिए थी। बहरहाल, पुलिस ने अजय और नितीश के शवों का पोस्टमार्टम करा दिया है।

बेटे की मौत को बताया हत्या, पत्नी समेत 6 पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

लाइनपार क्षेत्र में एक प्रवासी युवक की संदिग्ध मौत पर उसकी मां ने हत्या की आशंका जताई है। हत्या का आरोप पुत्रवधु व उसके ससुरालियों पर लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। चूंकि शव का दाह संस्कार हो चुका है तो जांच के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। हालांकि विभिन्न पहलुओं को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही मामले की असल तस्वीर साफ हो पाएगी।

■ मां ने लगाया आरोप-ससुराल पक्ष ने बेटे के साथ की थी मारपीट, शरीर पर थे चोट के निशान, बिना पोस्टमार्टम के ही करवा दिया दाह संस्कार

मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय गोविंद वर्मा के रूप में हुई है। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले का गोविंद यहां लाइनपार की बिहारी कॉलोनी में रहता था। गत 23 सितंबर को उसकी संदिग्ध हालात में मौत हुई थी। जिसके बाद आनन फानन में उसके शव का दाहसंस्कार भी कर दिया गया। लेकिन मामले में नया मोड़ तब आया जब गोविंद की मां ने पुलिस को शिकायत देते हुए हत्या की आशंका जताई। शिकायतकर्ता गिरिजा का कहना है कि उसका बड़ा बेटा गोविंद पहले

गांव में रहता था लेकिन उसकी पत्नी जबरन बहादुरगढ़ के लाइनपार स्थित बिहारी कॉलोनी में ले आई। यहां उसके मायके वाले रहते हैं। यहां आने के बाद भी उसका चलन ठीक नहीं रहा। वह बेटे के साथ झगड़ती थी।

गत 23 सितंबर की सुबह हमें फोन पर बताया गया कि गोविंद की मौत हो गई है। शाम तक आना है तो आ जाओ, नहीं तो हम दाह संस्कार करा देंगे। हमने मना किया और शव का दफनाने को कहा तो उन्होंने मना कर दिया। फिर हमने वीडियो कॉल



15 कच्चा बादली रोड पर सीवररेज के टूटे ढक्कन



16 22वीं जिला जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप शुरू

प्रो कबड्डी लीग में भी पहचान बना चुका अयान

अयान के चाचा राजीव ने बताया कि उसने बुपनियां के मिट्टी के मैदान में अभ्यास करते हुए कबड्डी के गुरु सीखे थे। बचपन से ही खेल के प्रति जुनून और लगातार मेहनत के दम पर वह राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा। इसके बाद प्रो कबड्डी लीग में भी अपनी पहचान बनाई। अब एशियन गेम्स में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीतना उसके खेल साफर की बड़ी उपलब्धि है। अयान की जीत से गांव के खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है। ग्रामीणों का कहना है कि उसने स्वर्ण पदक जीतकर बुपनियां की मिट्टी का मान बढ़ाया है। उसकी उपलब्धि से गांव के दूसरे युवाओं को भी खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।



चेयरपर्सन सरोज राठी ने किया शुभारंभ

अब सेक्टर-9 व 9ए के पार्कों का 62 लाख से होगा सुधार



बहादुरगढ़। रेनोवेशन कार्य का शुभारंभ करती चेयरपर्सन व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने शहर के सेक्टर-9 व 9ए के पार्कों के रेनोवेशन कार्य का शुभारंभ भाजपा नेता दिनेश कौशिक और पार्षद सविता राजेश सैनी के साथ नायिल फोडकर किया। करीब 62 लाख रुपये की लागत से होने वाले इन विकास कार्यों के तहत सेक्टर-9 व 9ए के सभी पार्कों में चारदीवारी व ट्रैक की मरम्मत सहित अन्य जरूरी कार्य करवाए जाएंगे।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि शहर के पार्कों को बेहतर और सुरक्षित बनाना नगर परिषद की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार और स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के मार्गदर्शन में शहर में विकास

कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। दिनेश कौशिक ने कहा कि पार्कों में बेहतर ट्रैक, मजबूत चारदीवारी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध होने से स्थानीय निवासियों की सीधा लाभ मिलेगा। सविता राजेश सैनी ने कहा कि वार्ड नंबर 14 के सेक्टर-9 व 9ए के पार्कों के रेनोवेशन की स्थानीय लोगों की लंबे समय से मांग थी। इस मौके पर ईओ संजय रोहिल्ला, जेई नीरज, पालेराम शर्मा, राजेश तंवर, प्रदीप गुप्ता, दिनेश शेखावत, दीपक प्रधान, सुदेश रंगा, राम अहलावत, अमित जुन, मनमोहित गुप्ता, हीरा सिंह मान, महेंद्र जांगड़ा, सत्यनारायण दीक्षित, रणबीर दहिया, सत्यप्रकाश राणा, रामनारायण, राजकुमार, दीपक बेरवाल, अमरजीत ढुल, सुरेश लाकड़ा, हरज्ञान कौशिक, हरिचंद, सुनील, नवीन व महेंद्र आदि मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से प्रवासी की मौत

बहादुरगढ़। बराही फाटक पर एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति ने पीजीआई रोहतक में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। परिजनों के बयान के बाद शनिवार को जीआरपी ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की गई है। मृतक की पहचान करीब 44 वर्षीय सुशील कुमार के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद का रहने वाला था। फिलहाल यहां लाइनपार क्षेत्र में रह रहा था और सेक्टर-16 स्थित एक कंपनी में काम करता था। जानकारी के अनुसार, परिवार की शाम को वह कहीं जा रहा था। जब फाटक के पास ट्रैक क्रॉस करने लगा तो ट्रेन की चपेट में आ गया। उसे काफी चोट आई। गंभीर हालत के चलते उसे पीजीआई रेफर किया गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पीजीआई से सूचना प्राप्त होने के बाद जीआरपी टीम वहां गई। परिजनों के बयान लिए और शव का पोस्टमार्टम करा दिया।

की तो बेटे के चेहरे व गर्दन पर चोट के निशान नजर आए। हमें हत्या की शंका हुई। दिल्ली में रहने वाली मेरी बेटी बहादुरगढ़ पहुंची तो गोविंद की हालत देखकर दंग रह गई। उसके पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। पांच घंटा हुआ था और निशान पर खून पड़ा था। इसके बाद आरोपियों ने बेटी से झगड़ा किया। फिर बिना पोस्टमार्टम और अर्शी-कफन के ही शव को गंभीर शान घाट ले गए। पुत्रवधु, उसके भाइयों, बहन, बहनवाई और सास ने मिलकर हत्या की है। लाइनपार थाना प्रभारी राजेश कुमार का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच चल रही है।

# आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

**निवेश मंत्रा**  
**बिजनेस डेस्क**  
इंड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते।

इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम अगर कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।



## 6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

## लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखनी भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

*रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।*

## 10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी SIP से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटाने में तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

## 20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती है। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें  
निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयवधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

### निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयवधि तय करें।
- एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।
- निवेश से पहले जरूर देखें
- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?



# महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

■ बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%

■ महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

**समझदारी**  
**बिजनेस डेस्क**

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आकामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

**छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा**  
निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक B30 लोकेशंस के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 39.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन फंडाईडी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

**रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें**  
इक्विटी म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए निवेश का अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निपटी 50 टीआरआई का सीछेजीआर 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

## एयूएम गिरा, फिर भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उनकी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकालों का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

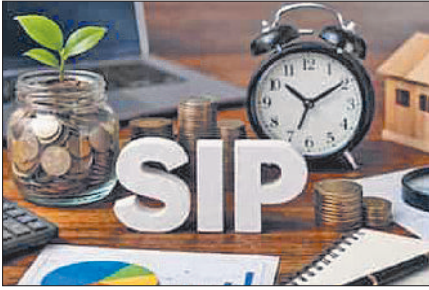
# एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

**सावधानी**  
**बिजनेस डेस्क**

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ ओसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

## सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात

स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका



हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में एसआईपी करता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मल्टीसेक्टर कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

## एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का

फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनित खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

## तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

## नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।



**ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत**  
**कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा**

# पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

**अलर्ट**  
**बिजनेस डेस्क**

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजदूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

## एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

## एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।



## असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पूरि करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

## परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों की ही क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

## बचत और निवेश भी रुक जाते हैं

मान लीजिए किसी व्यक्ति को हर महीने 5 हजार रुपये एसआईपी में निवेश करने थे। लेकिन लगातार बढ़ती ईएमआई के कारण वह एसआईपी बंद कर देता है। दूसरी तरफ, कर्ज पर ब्याज का भुगतान जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा

सकता कि उसकी सैलरी कितनी है। यह भी देखना जरूरी है कि सैलरी का कितना हिस्सा कर्ज चुकाने में आया है।

## अतिरिक्त आय न समझें

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसकी जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा

## कैसे पहचानें कि आप डेट ट्रेप की ओर बढ़ रहे हैं?

■ पहला, महीने की ईएमआई चुकाने के लिए बार-बार नया कर्ज लेना।  
■ दूसरा, क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार न्यू, भुगतान करके।  
■ तीसरा, सैलरी आने के कुछ दिनों में ही बैंक खाते में बहुत कम रकम बचाना।  
■ चौथा, बचत और निवेश लगातार बंद करना ताकि ईएमआई चुकाई जा सके।  
■ 5वां, एक साथ कई लोन की ईएमआई चलना और हर माह किस्त की चिंता रहना।

## डेट ट्रेप से निकलने का पहला कदम क्या हो?

सबसे पहले नए कर्ज से समस्या को दकना बंद करना जरूरी है। इसके बाद सभी कर्ज की सूची बनाएं। कितना मूलधन बाकी है, ब्याज दंड कितनी है, ईएमआई कितनी है और कितने महीने बाकी है। इसके बाद गैर-जरूरी खर्चों को अस्थायी रूप से कम करके उपलब्ध रकम का इस्तेमाल महंगे कर्ज को कम करने में किया जा सकता है। यदि कई कर्ज हैं तो उनकी ब्याज दर और बतों की तुलना करके प्राथम्यता या उचित समेकन के विकल्पों पर बंद या योग्य वित्तीय सलाहकार से बात की जा सकती है।

खबर संक्षेप



लामार्थियों ने स्वास्थ्य जांच का उठाया लाभ

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन को सरकारी सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सहज रूप से उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सेवा सेतु कैप का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मिकी ने कैप का शुभारंभ किया। कैप में काफी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त की और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाया।

पुलिस ने मृतकों के शव परिजनों को सौंपे

बहादुरगढ़। करंट लगने और छत से गिरकर जान गंवाने वाले युवकों के शवों का शनिवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम करा दिया। दोनों मामलों में पुलिस द्वारा घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की गई है। पहला मामला सेक्टर-16 स्थित एक फुटवियर कंपनी का है। आजमगढ़ यूपी का विजय प्रताप को वीरवार की सायं कंपनी परिसर में काम करते हुए करंट लग गया था। इसके बाद अस्पताल में ले जाया गया तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले में परिजनों के बयान के बाद सेक्टर-16 चौकी पुलिस शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया।

# कच्चा बादली रोड पर सीवरेज के टूटे ढक्कन दे रहे हादसों को बुलावा

दुकानदार बोले-पिछले कई माह से बनी है समस्या, नहीं हो पाया स्थायी समाधान

मार्ग से रोजाना भारी वाहनों के साथ-साथ अनाज मंडी में जाने वाले वाहन भी हैं गुजरते

हरिभूमि न्यूज ॥ झज्जर



झज्जर। कच्चा बादली रोड पर सीवरज के मेनहॉल का टूटा हुआ ढक्कन व साइड से निकलते वाहन।

फोटो: हरिभूमि

दुपहिया वाहन चालक हो रहे चोटिल

कृष्ण कुमार ने बताया कि सड़क के बीचों-बीच सीवरज के ढक्कन टूटे होने से वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है। कई बार अचानक सामने गड्ढा आने पर वाहन चालक संतुलन खोकर चोटिल भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि विभाग को बार-बार अस्थायी मरम्मत करने के बजाय इसका स्थायी समाधान करना चाहिए।



रात के समय स्थिति हो जाती है गंभीर

हरिओम के अनुसार रात के समय समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण टूटे हुए मेनहॉल और बाहर निकले सरिफ आसानी से दिखाई नहीं देते। ऐसे में राहगीरों और दुपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने संबंधित विभाग से जल्द कार्रवाई की मांग की।



उखड़-खाबड़ हुए रास्ते के कारण आती है परेशानी

ई-रिक्शा चालक कृष्ण प्रजापति ने कहा कि इस सड़क से रोजाना ई-रिक्शा समेत बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सीवरज के ऊंचे-नीचे ढक्कनों के कारण वाहन चलाने में परेशानी होती है और कई बार ई-रिक्शा को अचानक मोड़ना पड़ता है। इससे दूसरे वाहनों से टकराने का खतरा भी बना रहता है।



## वेस्टिब्युलर माइग्रेन से बार बार आ सकते हैं चक्कर

हरिभूमि न्यूज ॥ बहादुरगढ़

सक्सेना ने बताया कि वर्टिगो स्वयं कोई बीमारी नहीं बल्कि एक लक्षण है। इसमें आसपास की चीजें घूमती हुई महसूस होती हैं। वेस्टिब्युलर माइग्रेन वर्टिगो का एक संभावित कारण है, लेकिन इसके अलावा कान के अंदरूनी हिस्से की बीमारियों, संक्रमण, ब्लड प्रेशर में बदलाव, दवाओं के दुष्प्रभाव और अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी इसका कारण हो सकती हैं। इसका निदान मुख्य रूप से मरीज के लक्षणों, मेडिकल हिस्ट्री और चिकित्सकीय जांच के आधार पर किया जाता है।

डॉ. आनंद कुमार सक्सेना।



बार-बार आने वाले चक्कर वेस्टिब्युलर माइग्रेन जैसी न्यूरोलॉजिकल स्थिति का संकेत भी हो सकता है। सामान्य माइग्रेन के विपरीत इसमें तेज सिरदर्द हमेशा प्रमुख लक्षण नहीं होता। कई लोगों में चक्कर, शरीर का संतुलन बिगड़ना, चलने में अस्थिरता, रोशनी या आवाज के प्रति संवेदनशीलता और हिलने-डुलने या दृश्य गतिविधियों से परेशानी मुख्य लक्षण हो सकते हैं। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारका के न्यूरोलॉजी विभाग के यूनिट हेड डॉ. आनंद कुमार

■ प्राचार्य चेतन्य शर्मा की अध्यक्षता में लगे शिविर में अधिकांश शिक्षक व छात्राएं उपस्थित रही

हरिभूमि न्यूज ॥ बहादुरगढ़

छारा के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग ने देशभक्ति एवं निःशुल्क योग-प्राणायाम शिविर का आयोजन किया। प्राचार्य चेतन्य शर्मा की अध्यक्षता में लगे शिविर में अधिकांश शिक्षक व छात्राएं उपस्थित रही। योगाचार्य जगदीश कुमार ने कहा कि कन्याएं भविष्य में राष्ट्र की रक्षा एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाने के साथ ही समर्थ, विकसित, बलवान, शक्तिशाली, स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दें। उन्होंने



बहादुरगढ़। छारा के राजकीय स्कूल में छात्राओं को योगाभ्यास करवाते जगदीश सहवाग।

फोटो: हरिभूमि

छात्राओं को योग एवं प्राणायाम के महत्व के साथ देशभक्ति, प्रकृति संरक्षण, समाज सेवा, माता-पिता की सेवा, चरित्र निर्माण, शिक्षा तथा जीवन में शिक्षक और गुरु के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सहवाग ने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक समाज का प्रयास होना चाहिए कि बेटियां अपने पूर्वजों और महान महिलाओं से प्रेरणा लेकर

उच्च चरित्र का निर्माण करें। प्राचार्य चेतन्य शर्मा ने योगाचार्य जगदीश कुमार का आभार व्यक्त करते हुए छात्राओं को योग, संस्कार और राष्ट्र सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

## सेवा सेतु कैप में दी योजनाओं की जानकारी

■ वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने कैप का अवलोकन किया

हरिभूमि न्यूज ॥ बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। गांव मांडोटी में शनिवार को स्टॉल्स का अवलोकन करते दिनेश कौशिक व अन्य।

फोटो: हरिभूमि

योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। विभागों की ओर से पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया और

योजनाओं से संबंधित उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान भी किया गया। भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने कहा कि

## खेलों के मामले में हरियाणा से सौतेला व्यवहार निंदनीय : विक्रम कादियान

हरिभूमि न्यूज ॥ झज्जर

हरियाणा को उसकी हिस्सेदारी क्यों नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हुड्डा ने



केंद्र और हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश की समृद्ध खेल संस्कृति और खिलाड़ियों की प्रतिभा के साथ न्याय नहीं किया जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी गुजरात को दिए जाने के निर्णय ने हरियाणा के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को निराश किया है। यह बात वरिष्ठ कांग्रेस नेता विक्रम कादियान ने जारी प्रेस विज्ञापित में कही। उन्होंने कहा कि सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी संसद और सार्वजनिक मंचों पर यह महत्वपूर्ण सवाल उठाया है कि जब अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हरियाणा के खिलाड़ी देश के लिए बड़ी संख्या में पदक जीतते हैं, तो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में

खिलाड़ियों ने जीते और हरियाणा के खिलाड़ियों ने कुल 11 पदक हासिल किए। हरियाणा सरकार के अनुसार, यह भारत के कुल पदकों का 28 प्रतिशत से अधिक है, जबकि प्रदेश की आबादी देश की आबादी का लगभग 2 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि जब हरियाणा के युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का तिरंगा सबसे ऊंचा कर रहे हैं।

## 11 को झज्जर में होने वाले संकल्प मार्च की तैयारी में जुटे कर्मचारी पुरानी पेंशन कर्मचारियों का हक: मनोज

हरिभूमि न्यूज ॥ बहादुरगढ़

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर 11 अक्टूबर को झज्जर में आयोजित होने वाले पुरानी पेंशन संकल्प मार्च की तैयारियों को लेकर शनिवार को बहादुरगढ़ के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल में कर्मचारियों की बैठक हुई। बैठक में संकल्प मार्च को सफल बनाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाली के लिए आयोजित किए जा रहे संकल्प मार्च के उद्देश्य, कार्यक्रम और इसमें कर्मचारियों की भागीदारी के संबंध में जानकारी दी गई। मनोज कुमार



बहादुरगढ़। बैठक में कर्मचारियों को जानकारी देते मनोज लोहचब।

लोहचब ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली कर्मचारियों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है और हक है इसके लिए सभी साथियों को एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से

अधिक से अधिक संख्या में संकल्प मार्च में पहुंचने का आह्वान किया। इस दौरान कर्मचारियों में संकल्प मार्च को लेकर खासा उत्साह और जोश देखने को मिला। सभी कर्मचारियों ने हाथ उठाकर 11

अक्टूबर को झज्जर में आयोजित होने वाले संकल्प मार्च में शामिल होने का संकल्प लिया। कर्मचारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

न्यूज डायरी



एसोसिएशन ने किया मान्यता रिन्यू के आदेश का विरोध

झज्जर। शहर के आरएस मॉडर्न स्कूल में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व प्रधान जगबीर सिंह वाहर ने की। बैठक में सरकार द्वारा 10 वर्ष पूर्ण होने पर स्कूलों की मान्यता रिन्यू करवाने संबंधी जारी आदेश का सामूहिक रूप से विरोध किया गया। एसोसिएशन सदस्यों ने कहा कि सरकार यूडीआईएसई पोर्टल के माध्यम से विद्यालयों से शपथ-पत्र लेकर उसी आधार पर मान्यता रिन्यू करे, अन्यथा प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर मंगलादट हाई स्कूल सिलाना से जगबीर सिंह वाहर, एसडी हाई स्कूल मातनहेल से सतबीर, वीके स्कूल पाटौदा से सचिव बलवंत सिंह, एमडी स्कूल बुपनिया से धीरज कुमार, बीएसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से गौरव व गुलशन कुमार, लिटिल फ्लावर सीनियर सैकेंडरी स्कूल से गुलशन कुमार, आदर्श सीनियर सैकेंडरी स्कूल जहांगीरपुर से मदन लाल शर्मा, आदर्श स्कूल उखलवाना से रोहताश, हिमालय स्कूल से दीपक शर्मा, श्रीमहावीर जैन हाई स्कूल से राजेश कुमार, एमडी मिडिल स्कूल सिलाना से मुकेश कुमार, एमडी मिडिल स्कूल बरहाना से सतबीर सिंह, इंडियन पब्लिक स्कूल रोहतक से सतीश शर्मा, वन स्टेट वन यूनिजन रोहतक से सुमित चावला, आरएस मॉडर्न स्कूल से धनश्याम वर्मा, शांति निकेतन डीघल से परमजीत अहलावत, शांति निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से एडवोकेट अनिल गुनिया तथा सीआर सीनियर सैकेंडरी स्कूल कासनी के निदेशक एवं एसोसिएशन अध्यक्ष सुखबीर सिंह धनखंड आदि रहे।



बैठक में कामगारों की समस्याओं पर मंथन

बहादुरगढ़। अखंडित कामगार व कर्मचारी कांग्रेस (केकेसी) की जिला झज्जर इकाई की संगठनात्मक बैठक शनिवार को बहादुरगढ़ स्थित पूर्व विधायक कार्यालय में हुई। जिला अध्यक्ष दिलबाग दलाल की प्रधानता में हुई इस बैठक में कामगारों और कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने की रणनीति बनाई गई। बैठक में जिला प्रमारी एवं प्रदेश वरिष्ठ उप चैयरमैन ओमकुमार जांबाज, सह-प्रमारी एवं प्रदेश महासचिव गुलशन खुराना और प्रदेश सचिव सावित्री देवी मौजूद रही। पदाधिकारियों ने कामगारों के अधिकारों के लिए एकजुट होकर काम करने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।



खेतों में टीमें कर रही रिकॉर्ड का भौतिक सत्यापन

झज्जर। जिले भर में खरीफ फसलों के भौतिक सत्यापन एवं फसल संबंधी डाटा को दुरुस्त करने के लिए शनिवार को राजस्व विभाग की टीमें दिनभर फील्ड में सक्रिय रही। टीमों ने गांवों में खेतों तक पहुंचकर मौके पर खड़ी फसलों का निरीक्षण किया तथा मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल एवं सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज फसल के डाटा का मौके की वास्तविक स्थिति से मिलान किया। इस दौरान जहां पोर्टल या सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज फसल और खेत में वास्तविक रूप से खड़ी फसल के बीच अंतर पाया गया, वहां मौके की स्थिति के अनुसार आवश्यक डाटा को दुरुस्त किया गया।



अवैध हथियार सहित पकड़ा गया आरोपी रिमांड पर

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी डीघल प्रमारी एएसआई संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर मोटरसाइकिल पर छारा-छोछी रोड की तरफ आ रहा है। सूचना के आधार कार्रवाई करते हुए मुख्य सिपाही सतेंद्र कुमार की टीम ने छारा-छोछी रोड पर पेट्रोल पंप के नजदीक काकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान साहिल निवासी छोछी के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध हथियार बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।



आंगनवाड़ी केंद्रों में दी पोषण की जानकारी

झज्जर। शनिवार को आंगन का मिलन मॉड्यूल के अंतर्गत खंड झज्जर व खंड डीघल के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर लामार्थियों से संवाद कर पोषण, बच्चों की वृद्धि एवं विकास, स्वस्थ खान-पान और अरुहे व्यवहार सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। डीपीओ नेहा बहिया ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों के लामार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें बच्चों के उचित पोषण, वृद्धि एवं विकास तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए संतुलित एवं पोष्टिक आहार के संबंध में भी जानकारी दी गई।



शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया स्वच्छता अभियान

झज्जर। स्वच्छता अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान मॉड्यूल में स्वच्छता की महिम गांव-गांव तक व शहरी क्षेत्र में प्रभावी रूप से पहुंच रही है। जिले के सभी 250 गांवों में ग्रामीणों ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए श्रमदान दिया और अपने गांवों को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने का संकल्प लिया। वहीं शहरी निकाय विभाग द्वारा झज्जर व बहादुरगढ़ शहरी क्षेत्र में लोगों को स्वच्छता बनाये रखने का संदेश दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

मुरली मनोहर मंदिर में हुआ कीर्तन व भंडारा

बहादुरगढ़। शहर के प्राचीन मुरली मनोहर मंदिर में कीर्तन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने राधा कृष्ण के चरणों में शीश नवाया और कीर्तन किया। खेमचंद भारद्वाज, हरीश घुलथानी व सुनीता सिंह ने राधा रानी व ठाकुर जी की महिमा का गुणगान करते हुए भजन गाए। कीर्तन के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पुजारी योगेश शास्त्री, राकेश भारद्वाज, कमलेश शर्मा, मोना, भव्या, भविशा, तृष्ठा, दिव्यांशी, अरविंद जैन, सोमनाथ ठुकराल, रविंद्र भारद्वाज, दीपक यादव, सन्नी गोयल, आनंद यादव, संतोष यादव, सुभाष शर्मा, खुशीराम जैन आदि ने प्रसाद वितरण का सेवा कार्य किया।

पलड़ा गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आज

झज्जर। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कारम हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर, पाटौदा की ओर से रविवार को पलड़ा गांव स्थित हनुमान मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। सुबह करीब साढ़े नौ बजे से दोपहर तीन बजे चलने वाले इस शिविर में जनरल मेडिसिन, नेत्र रोग, फ्रिजियोथेरेपी, सर्जरी, पंचकर्म, ईएनटी, ऑर्थोपिडिक्स तथा पीडियाट्रिक्स विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श देंगे। मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार उपचार एवं आगे की चिकित्सा के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

18 वर्ग आयु में 100 मीटर में नितेश दलाल ने जीता स्वर्ण आंबेडकर स्टेडियम में 22वीं जिला जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप शुरू

ऊंची कूद में सुनीति ने स्वर्ण व हर्षित ने रजत पदक प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ► बहादुरगढ़

शहर के आंबेडकर स्टेडियम में शनिवार को 22वीं जिला जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शुभारंभ हो गया। झज्जर एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव भीम अवाई चरण सिंह राठी की उपस्थिति में प्रतियोगिता का उद्घाटन झज्जर एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रधान जयप्रकाश जाखड़ ने किया। प्रतियोगिता में 18 वर्ग आयु में 100 मीटर में नितेश दलाल ने स्वर्ण, मनीष ने रजत और वंश ने कांस्य पदक हासिल किया। ऊंची कूद में सुनीति ने स्वर्ण व हर्षित ने रजत पदक प्राप्त किया। जबकि 20 आयु वर्ग में 1500 मीटर में कृष्ण ने स्वर्ण, निखिल ने रजत व इशांत ने कांस्य पदक जीता। इसके अलावा 5 किलोमीटर में विनय कुमार ने स्वर्ण, इशांत ने रजत व निशांत ने कांस्य पदक जीता। गोला फेंकने में देव ने स्वर्ण, उज्ज्वल ने रजत व दक्ष ने कांस्य पदक जीता। इस अवसर पर ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी करण राठी, सुनील सांखोल, विवेक राठी, जय भगवान, विक्रांत दलाल, सुमित दलाल, ज्योति, रिंकु नया गांव, संजय जाखड़, हेमंत कोच, जतिन कोकी, अमित जाखोदा, मयंक पराशर, रोहित, संगीता व नेहा समेत अनेक क्वालिफाइड एनआईएस कोच उपस्थित रहे।



बहादुरगढ़। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देते आयोजक।

हरियाणा स्कूली स्टेट हैंडबॉल में दुर्गा स्कूल ने जीते मेडल



झज्जर। स्कूल पहुंचने पर विजेता खिलाड़ियों के साथ उपस्थित शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज ► झज्जर

हिसार में आयोजित 59वीं हरियाणा स्कूली स्टेट हैंडबॉल प्रतियोगिता में दुर्गा सीनियर सैकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में पदक हासिल किए। डीपीई अशोक कुमार ने बताया कि अंडर-17 हैंडबॉल में हार्दिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-19

हैंडबॉल में विपिन, रोहित, वरुण, दीपेश और तन्मय की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इनके अलावा अंडर-17 आयु वर्ग की कुशती स्पर्धा में शिवम ने द्वितीय स्थान तथा अंडर-14 की नेटबॉल में हेमंत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्कूल पहुंचने पर संस्थापक रामचंद्र शर्मा ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वयंसेवकों ने लिया क्विज में हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ► बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्या सुमन हुड्डा और उप प्राचार्य डॉ अमित छिकारा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना कैंप का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के ज्ञान एवं जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज का भी आयोजन किया गया।

एनएसएस गीत के उपरांत स्वयंसेवकों ने समाजसेवा और राष्ट्रहित में निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया। स्वयंसेवकों को कैंप भी वितरित की गई। एनएसएस कैंप अधिकारी साहिल और दिव्या ने एनएसएस की स्थापना, उद्देश्यों एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। स्वयंसेवकों को बताया कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य समाज



बहादुरगढ़। कैंप में स्वयंसेवकों के साथ एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी।

एवं राष्ट्र की सेवा करना है। मंच संचालक सीमा ने स्वयंसेवकों में जोश और ऊर्जा का संचार किया। डॉ. कमल कुमार रंगा ने विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने एआई की अवधारणा, इसके विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते उपयोग तथा शिक्षा एवं दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को एआई के अवसरों के साथ-साथ इसके जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति भी जागरूक किया। कमेटी सदस्य पुनम और सरला ने विद्यार्थियों में समाजसेवा, राष्ट्र भक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया।

एलए स्कूल में छात्रों ने किया मेडिटेशन



झज्जर। विद्यालय परिसर में मेडिटेशन करते हुए विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ► झज्जर

एल ए वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को मेडिटेशन क्रियाएं कराई गईं। प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि मेडिटेशन करवाने का उद्देश्य बच्चों को स्ट्रेस फ्री इन्वयरमेंट प्रोवाइड कर उनको शिक्षा के प्रति ध्यान केंद्रित करना रहा। स्कूल प्रबंधक के एम डागर ने कहा कि मेडिटेशन कार्यक्रम में नौवीं

से बाहरवीं कक्षा के लगभग 450 विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल संचालक संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया, भविष्य दहिया ने बताया कि ध्यान व योगिक क्रियाएं हमेशा जीवन के लिए बेहतर होती हैं। कार्यक्रम के समापन डीपीई अमित लोहचव, विशाल कुमार, महेंद्र सैनी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

ज्ञान और जागरूकता के साथ मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस



झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ► झज्जर

संस्कारम विश्वविद्यालय में विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष्य पर शैक्षणिक, जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फार्मेसी एवं स्वास्थ्य जागरूकता रैली से हुई। विद्यार्थियों ने नारी और संदेशों के माध्यम से फार्मासिस्ट की भूमिका, दवाओं के सुरक्षित उपयोग तथा स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर डॉक्टर महेश चंद्र गुप्ता ने फार्माकोविजिलेंस विषय पर व्याख्यान देते हुए दवाओं की सुरक्षा, प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की

पहचान एवं रिपोर्टिंग तथा मरीजों की सुरक्षा बारे अवगत कराया। विशेष अतिथि सिमरन आनंद एवं विशाल ने अंगदान के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान रंगोली, पोस्टर प्रेजेंटेशन, बॉडी आर्ट, ग्रुप डांस एवं सिंगिंग सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। फार्मेसी स्कूल की डीन डॉक्टर नीलम धनखड़ ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉक्टर आदित्य कुमार, डॉक्टर कौशल खटाना सहित आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों को बधाई दी।

बच्चों को दी पोषक तत्वों की जानकारी



बहादुरगढ़। प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि व शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज ► बहादुरगढ़

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत शनिवार को अशोक इंटरनेशनल स्कूल में पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों को पौष्टिक भोजन के महत्व और शरीर के समुचित विकास में पोषक तत्वों की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। नूना माजरा पीएचसी के प्रभारी डॉ. संजीव कुक्कल

ने कहा कि संतुलित आहार स्वस्थ शरीर और बेहतर मानसिक विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने खानपान में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। शिक्षकों ने कहा कि इस आयोजन के जरिए बच्चों में बचपन से ही पोषण संबंधी अच्छी आदतें विकसित करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

छात्राओं को महिला सुरक्षा व साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ► झज्जर

जिला पुलिस की एक टीम द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छुछकवास और अच्छेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उप निरीक्षक सत्यप्रकाश तथा उप निरीक्षक सतबीर ने छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा व्यक्तिगत जानकारी अनजान व्यक्तियों के



झज्जर। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को जागरूक करते हुए पुलिसकर्मी।

साथ साझा न करने के संबंध में बताया। उन्होंने बताया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, साइबर ठगी, छेड़छाड़ अथवा अन्य अपराध की जानकारी होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

पूजा-श्रवणा के बाद किया गणपति विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ► झज्जर

पेस ग्रुप में गणपति बप्पा के विसर्जन समारोह का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। पूजा-अर्चना व आरती के बाद मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप दलाल ने भगवान गणपति की प्रतिमा का नहर में विसर्जन किया। इस दौरान स्टाफ सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर उत्सव मनाया और गणपति बप्पा के जयकारे लगाए। सभी ने संस्थान, विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्टाफ की सुख-समृद्धि व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डायरेक्टर जय विकास ने कहा कि गणेश उत्सव भारतीय संस्कृति, आस्था और आपसी एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम में चेयरपर्सन रीना



झज्जर। गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना करते हुए डायरेक्टर जय विकास व प्रिया।

अहलावत, डायरेक्टर प्रिया, डायरेक्टर हरीश, सुमित चावला अकादमिक कोर्डिनेटर शिल्पा, और अश्वनी सहित अन्य भी चेयरमैन युद्धवीर, मैनेजिंग उपस्थित रहे।

गांव डाबोदा खुर्द में ग्रामीणों ने किया मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा का स्वागत

ऑर्गेनिक फॉर्म में प्राकृतिक खेती को लेकर हुई गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ► बहादुरगढ़

सुजीवन ऑर्गेनिक फॉर्म गांव डाबोदा खुर्द में जैविक एवं प्राकृतिक खेती की बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसान एवं ग्रामीण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में सीएम के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा ने शिरकत की। भारतीय किसान संघ के प्रदेशाध्यक्ष सतीश छिकारा समेत ग्रामीणों ने उनका स्वागत-सम्मान किया। वीरेंद्र बड़खालसा ने सतीश छिकारा के साथ खेती से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ-साथ जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने



बहादुरगढ़। वीरेंद्र बड़खालसा का स्वागत करते सतीश छिकारा व अन्य।

को लेकर विस्तार से चर्चा की। किसान खेती में अनावश्यक रासायनिक स्प्रे एवं प्लास्टिक के

इस्तेमाल से बचें तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर आगे बढ़ें। प्राकृतिक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता

और पर्यावरण को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इस दौरान सरकार की ओर से जैविक एवं

प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सब्सिडी और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने को लेकर भी चर्चा हुई। किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। खेती-किसानी से जुड़े स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष धर्मवीर लगरपुर, मंजीत डाबोदा, हरदीप मलिक, चांद मलिक, सज्जन नरवाल, बलवान मलिक, रामफूल जांगड़ा, दलीप सिंह, रोहताश, रामकिशन मलिक, पंडित गोदाराम, रमेश राठी, पप्पू संधीप मलिक व रामनिवास आदि मौजूद रहे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिलाध्यक्ष धर्मवीर लगरपुर, मंजीत डाबोदा, हरदीप मलिक, चांद मलिक, सज्जन नरवाल, बलवान मलिक, रामफूल जांगड़ा, दलीप सिंह, रोहताश, रामकिशन मलिक, पंडित गोदाराम, रमेश राठी, पप्पू संधीप मलिक व रामनिवास आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, गणपति ट्रेवल्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़

झज्जर :- पुराना बाई खाना रोड, शिव चौक, झज्जर

फोन : 8295154800, 8295738500, 8614993942, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईंज       | संस्करण                              | विशेष छूट राशि           |
|-------------|--------------------------------------|--------------------------|
| 5 × 8 से.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2500/-<br>रु. 3000/- |

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त टाईज पर मान्य। अन्य किसी साईंज के लिए काई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बाई खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400

बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रेवल्स के ऊपर, 8295852900